सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 11 ● अंकः 150 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार 5 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

यदि आपका प्रिय सौ बार भी रूठे, तो भी रूठे हुए प्रिय को मनाना चाहिए, क्योंकि यदि मोतियों की माला टूट जाए तो उन मोतियों को बार-बार धागे में पिरो लेना चाहिए।

-रहीम दास

बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज का औसत... 7 | पंजाब के उपचुनाव ने दिखाई नई... 3 | भाजपा सरकार जल जीवन मिशन... 2

कांग्रेस का मोदी पर तीखा प्रहार

विदेशी दौरे को लेकर पीएम की नीति पर उठे सवाल

- » कांग्रेस अध्यक्ष बोले- प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति दोषपूर्ण है
- » ट्रंप टैरिफ की समय सीमा बढ़ाने के मामले पर भाजपा सरकार को घेरा
- » नेता प्रतिपक्ष बोले- पीयूष गोयल चाहे जितनी छाती पीट लें कुछ नहीं होगा
- » गोयल बोले- राहुल को कोई गंभीरता से नहीं लेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की के कार्यकाल में जो कुछ हुआ है उसे लेकर कांग्रेस संतुष्ट नहीं है। इसी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया है। जहां अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विदेशी नीति को लेकर एनडीए सरकार पर हमला बोला है वहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ट्रंप टैरिफ को लेकर पीएम मोदी के स्टैंड पर सवाल उठाया है। इन सबके बीच भाजपा ने भी कांग्रेस पर पलटवार किया है। पीयूष गोयल बोले राहुल को कोई गंभीरता से नहीं लेता है।

बतादें पहलगाम हमले के बाद भारत का एक्शन, पाकिस्तान से संघर्ष के बाद अमेरिका का पाकिस्तान प्रेम-ट्रंप और मुनीर की लंच डेट, मालद्वीप के साथ परेशानियां आदि होने पर कांग्रेस ने अपने देश की सरकार पर तीखा हमला किया था। अब जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 से 9 जुलाई तक पांच देशों की ऐतिहासिक यात्रा पर निकले, जिसमें घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा शामिल है। इस पर भी कांग्रेस उनके जाने के बाद देश की विदेश नीति पर सवाल उठा रही हैं। खरगे ने होसबाले के आह्वान पर कहा,मैंने सुना है कि आरएसएस के लोग कह रहे हैं कि वे संविधान से समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्द हटा देंगे। मैं आपको या आपकी भाजपा या (अमित) शाह को चुनौती देता हूं। कोई भी इन्हें नहीं हटा सकता, हिम्मत है तो हटाकर दिखाओ। उन्होंने मोदी पर पिछले 11 वर्ष में देश की अर्थव्यवस्था को चौपट करने और संविधान को तहस-नहस करने का आरोप लगाया।

पीएम ने भारत के चारों ओर दुश्मन पैदा कर दिए : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने को भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की विदेश नीति को दोषपूर्ण बताते हुए कहा कि इसने भारत के चारों ओर दुश्मन पैदा कर दिए हैं। खरगे ने यहां सामाजिक न्याय समारा भेरी को संबोधित करते हुए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की चुनौती दी खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के 42 देशों की यात्रा कर चुके हैं, लेकिन अब तक उन्होंने मणिपुर का दौरा नहीं किया है, जहां लोग मर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, उनकी विदेश नीति अच्छी नहीं है, जिसकी वजह से हमारे चारों तरफ दुश्मन बन गए हैं। एक तरफ चीन है, तो दूसरी तरफ पाकिस्तान। आज नेपाल भी हमसे दूर होता जा रहा है। हर कोई हमसे दूर हो रहा है। हाल ही में, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ी एक पत्रिका में प्रकाशित लेख में कहा गया है कि सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संविधान की प्रस्तावना में शामिल समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा का आह्वान संविधान को खत्म करने के लिए नहीं, बल्कि कांग्रेस की आपातकालीन युग की नीतियों की विकृतियों से मुक्त होकर इसकी मूल भावना को बहाल करने के लिए किया था।

भारत की वार्ता टीम चर्चा के लिए वाशिंगटन में है

दूसरी ओर, भारत ने कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, चमड़े के सामान और रसायन सहित अमेरिकी श्रम-प्रधान उद्योगों तक अधिक पहुंच की मांग की है। विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में भारत की वार्ता टीम द्वारा चर्चा के लिए वाशिंगटन में अपना प्रवास बढ़ाने के बावजूद यह मुद्दा हल नहीं हुआ है। दिल्ली में एक व्यापारिक कार्यक्रम में बोलते हुए, गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत कृषि और डेयरी क्षेत्रों के हितों से समझौता नहीं करेगा।

दूसरे देश को गले लगाते हैं और अपने देश के लोगों को नजरअंदाज कर रहे मोदी

खरगे ने कहा कि कांग्रेस मोदी को सबक सिखाकर रहेगी। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पार्टी को मजबूत करने का आग्रह किया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह केंद्र में सत्ता में लौटे और देश की दिशा बदल दे। प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मोदी दूसरे देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को गले लगाते हैं, लेकिन अपने देश के आम लोगों और किसानों को नजरअंदाज करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा, अगर कोई मोदी को टोपी या पदक दे, तो वह उसे पहनकर घूमेंगे। खरगे ने कहा कि मोदी को भारतीय किसानों और लोगों की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मोदी जी, आप कहां हैं? वह आठ देशों का दौरा कर रहे हैं, लेकिन अपने देश के लोगों की ओर नहीं देख रहे। वह इस देश के किसानों की ओर नहीं देख रहे।

फिर एकबार झुक जाएंगे पीएम मोदी : राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की एक टिप्पणी को लेकर शनिवार को दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आसानी से झुक जाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ लागू होने में सिर्फ तीन दिन बचे हैं, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ज़ोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व्यापार समझौते पर गतिरोध के बीच समय सीमा के आगे झुकेंगे। गांधी की यह प्रतिक्रिया तब आई जब केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ तभी व्यापार समझौता करेगा जब उसके हितों की रक्षा होगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उनके इस बयान को लेकर 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पीयूष गोयल जितना चाहें अपनी छाती पीट सकते हैं, मेरे शब्दों पर गौर करें, ट्रंप की शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने मोदी आसानी से झुक जाएंगे।'' अमेरिकी

> “ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आसानी से झुक जाएंगे।
>
> राहुल गांधी
> पूर्व अध्यक्ष, कांग्रेस

राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर दो अप्रैल को 26 प्रतिशत का अतिरिक्त जवाबी शुल्क लगा दिया था। हालांकि, कुछ दिन बाद ही इसे 90 दिन के लिए यानी नौ जुलाई तक टाल दिया गया था। इस बीच, अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत मूल शुल्क अब भी लागू है। आगामी नौ जुलाई की समयसीमा खत्म होने के पहले भारत और अमेरिका एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिशों में लगे हुए हैं। इसके लिए दोनों पक्षों के अधिकारियों और मंत्रियों के स्तर पर कई दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं। सूत्रों ने पहले बताया था कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर 9 जुलाई की समय सीमा से पहले हस्ताक्षर होने की संभावना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल ने शुक्रवार को कहा था कि भारत समयसीमा के आधार पर कोई व्यापार समझौता नहीं करता है और अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को तभी स्वीकार करेगा जब यह पूरी तरह अंतिम रूप ले लेगा, ठीक से संपन्न होगा और राष्ट्रहित में होगा।गोयल ने कहा, भारत कभी भी समय सीमा या समय के दबाव के आधार पर व्यापार सौदे नहीं करता है। यह दोनों पक्षों के लिए जीत वाला समझौता होना चाहिए और केवल तभी जब भारत के हितों की रक्षा की जाती है, अगर कोई अच्छा सौदा बनता है, तो भारत हमेशा विकसित देशों के साथ जुड़ने के लिए तैयार है।

भाजपा सरकार जल जीवन मिशन के नाम पर दे रही है धोखा : अखिलेश यादव

बोले सपा प्रमुख- महानगरों के नगर निगम मिलाकर ट्रिपल इंजन की सरकार फेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। सपा मुखिया ने कहा कि सरकार ने जनता को जल जीवन मिशन, नदियों की सफाई और अन्य योजनाओं के नाम पर धोखा दिया है। इन योजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और लूट हुई है। बारिश आते ही भाजपा स्मार्टसिटी योजना की पोल खुल गयी है।

अखिलेश यादव ने कहा कि गोरखपुर, आगरा, वाराणसी, अयोध्या, अलीगढ़ समेत कई नगरों और शहरों में जगह-जगह जल भराव हैं सड़कें उखड़ गयी है, नाले जाम है। मोहल्लों और गलियों में पानी भर जाता है। भाजपा की दिल्ली, लखनऊ की डबल इंजन सरकार और महानगरों के नगर निगम मिलाकर ट्रिपल इंजन की सरकार फेल हो गयी है। श्री यादव ने कहा है कि पिछले नौ साल में भाजपा सरकार एक भी सिटी को स्मार्ट नहीं बना पायी है। सड़कें जगह-जगह खोद दी गयी हैं। आम जनता भाजपा सरकार की अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार से परेशान हो चुकी है। इसी तरह से इस सरकार की जल जीवन मिशन योजना भ्रष्टाचार के नए रिकार्ड बना रही है। इस योजना के तहत बनी पानी की टंकियां भाजपा के भ्रष्टाचार का भार नहीं सह पा रही हैं। हर महीने किसी न किसी जिले में पानी की टंकियां ढह रही है।

मक्का मुकर्रमा साईकिल से रवाना हुए हकीम हाफ़िज़ तालिब का किया सम्मान

समाजवादी पार्टी के रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी से आज हज के मुक़द्दस सफ़र पर मक्का मुकर्रमा साईकिल से रवाना हुए हकीम हाफ़िज़ तालिब साहब ने लखनऊ में समाजवादी पार्टी कार्यालय पर भेंट की। जनाब हाफ़िज़ तालिब साहब 1 मई 2025 को हैदराबाद से रवाना हुए थे और आज 2 जुलाई को लखनऊ पहुँचे, जहाँ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस मौके पर अखिलेश यादव जी ने उनके जज़्बे, हिम्मत और इरादे की दिल से सराहना करते हुए कहा कि हज का सफ़र एक मुक़द्दस और सवाब भरा अमल है। साईकिल से यह सफ़र तय करना उनके इरादे की पाकीज़गी और सच्चे जुनून को दर्शाता है। श्री यादव ने कहा कि आप हरम की सरज़मीन पर जाकर मुल्क में अम्न-ओ-सलामती, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआ फरमाएँ ताकि हिंदुस्तान तरक़्क़ी की राह पर मज़बूती से आगे बढ़ता रहे। इस मौके पर प्रमुख रूप से सर्वश्री माता प्रसाद पांडेय नेता विरोधी दल, राजेंद्र चौधरी साहब, पूर्व कैबिनेट मंत्री, श्याम लाल पाल, प्रदेश अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी उप्र, शकील नदवी प्रदेश अध्यक्ष, अल्पसंख्यक सभा, मो. इमरान सिद्दीकी, विकास यादव, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी युवजन सभा, आरिफ गूजर, मौलाना समीर अहमद, ताहा अंसारी, मो. सुहैल, मो. आकिब, मो. उमैर समेत कई अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार, बेईमानी और झूठ भाजपा की पहचान

श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। मां गंगा की सफाई नहीं हुई। नमामि गंगे परियोजना के लिए आवंटित हजारों करोड़ का बजट साफ हो गया लेकिन गंगा नदी साफ नहीं हुई, स्थिति जस की तस है। भाजपा सरकार में हो रही लूट और भ्रष्टाचार से गैर विभाग अछूता नहीं हैं निर्माणकार्यों के साथ ही ट्रांसफर पोस्टिंग में भी भारी भ्रष्टाचार हुआ। भाजपा सरकार का ईमानदारी का लबादा उतर चुका है। श्री यादव ने कहा है कि भ्रष्टाचार, बेईमानी और झूठ भाजपा की पहचान बन चुका है। 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा के भ्रष्टाचारी शासन को खत्म करने के लिए तैयार है।

हर बात को विवादित बना देना ठीक नहीं : अफजाल

नरेश टिकैत के समर्थन में आए सपा सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश की गाज़ीपुर सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर नेम प्लेट विवाद से लेकर तमाम सियासी मुद्दों पर खुलकर बात की है। उन्होंने कांवड़ यात्रा को लेकर नरेश टिकैत से बयान पर सहमति जताई तो वहीं मऊ सदर सीट से बृजेश सिंह के चुनाव लड़ने पर भी प्रतिक्रिया दी है। भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष नरेश टिकैत ने कांवड़ यात्रा में डीजे बैन करने का सुझाव दिया था जिसका सांसद अफजाल अंसारी ने भी समर्थन किया है।

उन्होंने कहा कि अगर टिकैत साहब ने कोई बात कही है तो उसे भी सुनना चाहिए. हर बात को विवादित बना देना ठीक नहीं होता है। सावन भर चलने वाली कांवड़ यात्रा में लोगों की आस्था है। ऐसे में सरकार का काम है जो भी हो वह प्रबंध करेगी। इसमें किसी को कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए। लोकतंत्र में चुनाव के लिए जब तक अधिसूचना ना जारी हो जाए, ऐसी बातों को हवा में झूला झूलेंगे यह उचित नहीं है। चुनाव की लड़ाई का समय आने पर ये तय होगा कि कौन चुनाव लड़ेगा कौन नहीं। पहले कोर्ट का फैसला आने दिया जाए उसके बाद स्थिति पर विचार किया जाएगा। मऊ सदर सीट से बृजेश सिंह के चुनाव लड़ने के सवाल पर अफजाल अंसारी ने कहा कि इस तरह के मामले पर अपील करने का प्रावधान है और अब्बास अंसारी ने भी अपील किया है। 5 तारीख को इस मामले की तारीख है। निर्णय आने दीजिए। उन्होंने मऊ में उपचुनाव की चर्चाओं पर कहा कि हो सकता है आपको फैसला पता हो लेकिन हमें अभी फैसला नहीं पता है। हमें उम्मीद है अब्बास को जमानत भी मिलेगी और सजा भी निलंबित की जाएगी।

सीएम योगी को बदलने का मामला गंभीर

सीएम योगी को बदले जाने के सवाल अफजाल अंसारी ने कहा कि ये मामला गंभीर है, उत्तर प्रदेश के सूचना विभाग में बड़े स्तर पर बदलाव हुआ है, जिसमें कई तरह के रहस्य निकलकर सामने आए हैं क्योंकि जिसके हाथ में विभाग का कमान है उसके ऊपर भी गंभीर आरोप है, देश के भागे हुए भगोड़े की कमाई का पैसा भी उनकी फर्म में लग गया है। सूचना विभाग में परिवर्तन होने के कारण ही खबर चल रही है कि अब योगी जी बदले जाएंगे।

राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सवालों का जवाब दे भाजपा : आदित्य ठाकरे

बोले शिवसेना-यूबीटी नेता- क्या भारत को पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट और हॉकी टूर्नामेंट खेलना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना-यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच आगामी एशिया कप टूर्नामेंट में भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ क्रिकेट और हॉकी मैच खेलने के औचित्य पर सवाल उठाया। विधान भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं।

ठाकरे ने कहा कि क्या पाकिस्तान के साथ मैच खेलना सही है, जबकि वह देश हमारे खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा है? क्या भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप क्रिकेट और हॉकी टूर्नामेंट खेलना चाहिए? हम भाजपा और केंद्र सरकार से स्पष्ट जवाब चाहते हैं। ऐसा लगता है कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार अगस्त के आखिरी सप्ताह में शुरू होने वाले एशिया कप हॉकी के साथ पानी का परीक्षण कर रही है। भारत मेजबान देश है और मैच बिहार में खेले जाएंगे। शिवसेना (यूबीटी) विधायक ने कहा कि यह एशिया कप के दौरान यूएई में संभावित क्रिकेट मैच के लिए मंच तैयार कर रहा है।

उन्होंने पूछा, अगर बीसीसीआई भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की अनुमति देता है, तो क्या भाजपा इसे राष्ट्र-विरोधी करार देगी, जैसा कि वह दूसरों के साथ करती है? एशिया कप टी-20 सितंबर में होने की उम्मीद है, जबकि एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट 27 अगस्त को बिहार में शुरू होने वाला है। ठाकरे ने पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्र की प्रतिक्रिया और राष्ट्रीय सुरक्षा से निपटने के तरीके पर भी असंतोष व्यक्त किया। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री ने कहा कि सबसे पहले, पुलिस ने आरोपियों का एक स्केच जारी किया, जिसे बाद में एनआईए ने फर्जी करार दिया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, सरकारी प्रतिनिधिमंडल कई देशों में भेजे गए, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो। क्या इसी तरह राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा की जाती है?

विपक्ष के नेता झूठ बोले तो इसमें मैं क्या करूं : सुक्खू

सीएम बोले- जयराम ठाकुर से बीते कल मेरी बात हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के बयान पर पलटवार किया है। जयराम ठाकुर ने कहा था कि गुरुवार सुबह उन्होंने सीएम को छह बार कॉल किया, लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई है। यह पहली बार देखा जा रहा है।

इस बयान पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि जयराम ठाकुर से बीते कल मेरी बात हुई है, अब वह झूठ बोले तो इसमें मैं क्या करूं। कहा कि उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और कई अधिकारियों के साथ भी उनकी बात हुई है। जयराम ठाकुर की ओर से दिया गया बयान बहुत ही गलत है। मेरी कॉल डिटेल निकाल कर स्पष्ट हो जाएगा कि उनसे बात हुई है या नहीं।सीएम ने कहा कि सरकार तेजी से राहत अधिकारियों में जुटी हुई है। पूर्व सरकार ने तो सिर्फ संपत्तियों को लूटने का काम किया है। सीएम सुक्खू ने कंगना रनौत को लेकर कहा कि सांसद को जल्द जयराम ठाकुर से बात करनी चाहिए। आपदा को लेकर भाजपा को राजनीति नहीं करनी चाहिए।

पंजाब के उपचुनाव ने दिखाई नई दिशा!

कम मतदान के बावजूद आप का मत प्रतिशत बढ़ा

» शिअद को थोड़ा फायदा मिला
» कांग्रेस-भाजपा को नुकसान हुआ
» आदमी पार्टी आज की तारीख में कंफर्ट जोन में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लुधियान। हाल ही में कुछ राज्यों के पांच विधान सभा में उपचुनाव हुए थे। इन चुनावों परिणाम सबसे ज्यादा चर्चा आप पार्टी रही । उसने गुजरात व पंजाब में 1-1 सीट जीतकर अपनी ताकत दिखाई वहीं भाजपा, कांग्रेस व टीएमसी को 1-1 सीट पर जीत हासिल हुई। सबसे ज्यादा चर्चा पंजाब के लुधियाना सीट की हुई जहां आप के संजीव अरोड़ा जीते। कम मतदान के बावजूद आप का मत प्रतिशत बढ़ा। शिअद को थोड़ा फायदा मिला जबकि कांग्रेस-भाजपा को नुकसान हुआ।

कांग्रेस, भाजपा एवं अकाली दल को वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए अभी से मंथन करना होगा।पंजाब की प्रतिष्ठित लुधियाना पश्चिम सीट पर हुए उपचुनाव में जनता ने आम आदमी पार्टी के तीन साल के कामकाज पर अपनी मुहर लगा दी है। इन चुनावों में कहीं पर सरकार के खिलाफ एंटी इंकम्बेंसी नजर नहीं आई, तभी तो मतदान में कम प्रतिशत के बावजूद आप के वोट प्रतिशत में वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनावों के मुकाबले सबसे अधिक इजाफा हुआ है, साथ ही जीत का मार्जिन भी बढ़ा है।इसके अलावा शिरोमणि अकाली दल के वोट प्रतिशत में भी हल्का इजाफा हुआ है, जबकि कांग्रेस एवं भारतीय जनता पार्टी के वोट प्रतिशत में कमी दर्ज की गई है। इस चुनाव को वर्ष 2027 के शुरू में होने वाले पंजाब विधानसभा के चुनावों का सेमीफाइनल माना जा रहा था। चुनाव में बाद उभर कर आई तस्वीर में साफ है कि आप आदमी पार्टी आज की तारीख में कंफर्ट जोन में है, जबकि विपक्षी खेमे की कांग्रेस, भाजपा एवं शिअद को अभी से मंथन करना होगा, राजनीतिक समीकरणों को मजबूत करना होगा, कमियों को दूर करके अपना आधार मजबूत करने की दिशा में सार्थक कदम उठाने होंगे, तभी बेहतर परिणाम हासिल हो सकेंगे।वर्ष 2022 में हुए पंजाब विधानसभा के चुनावों में लुधियाना पश्चिम सीट पर कुल 64.29 प्रतिशत यानी 1,17,360 वोट पड़े थे। जबकि वर्ष 2025 में हुए उपचुनाव में केवल 51.33 प्रतिशत यानि 90,060 वोट पड़े। बावजूद इसके आम आदमी पार्टी के संजीव अरोड़ा ने 39.02 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि वर्ष 2022 में पार्टी के उम्मीदवार गुरप्रीत गोगी ने 34.46 प्रतिशत वोट दर्ज किए थे। अरोड़ा ने गोगी के मुकाबले 4.56 फीसदी वोट अधिक पाए। इस तरह से अरोड़ा ने गोगी के मुकाबले 4.56 फीसदी वोट अधिक पाए हैं। साथ ही गोगी ने 7,512 वोट से जीत दर्ज की थी, जबकि संजीव अरोड़ा ने 10,637 वोट से जीत दर्ज की है।

अपनी जमानत नहीं बचा सका शिअद उम्मीदवार

वर्ष 2022 के चुनाव में शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार महेश इंद्र सिंह गरेवाल को 8.58 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि इस बार परउपकार सिंह घुम्मण को 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 9.1 प्रतिशत वोट मिले हैं। साफ है कि शिअद के प्रदर्शन कुछ बेहतर हुआ है, लेकिन इस बार भी शिअद उम्मीदवार अपनी जमानत नहीं बचा सका।

2027 चुनाव के लिए आप को बूस्टर डोज

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लुधियाना पश्चिमी उप चुनाव को विनम्रता बनाम अहंकार की लड़ाई बताया था। इस चुनाव के नतीजे आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के लिए काफी अहम माने जा रहे थे। अब जब चुनाव परिणाम सामने आ गए हैं तो इसको आप के लिहाज से बड़ा सियासी बूस्टर डोज माना जा रहा है। सियासी जानकार भी मानते हैं कि 2027 के लिए लुधियाना उपचुनाव का परिणाम बहुत कुछ दशा दिशा तय करने वाला है। खासतौर से जिस विनम्रता की बात के साथ मुख्यमंत्री ने चुनावी आगाज किया था, उसको जनता जमीन पर मजबूती के साथ उतरते हुए देखना चाह रही है। लुधियाना पश्चिम के उपचुनाव में जब राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को प्रत्याशी बनाया गया मान तभी लिया गया था कि लुधियाना का यह चुनाव बेहद मजबूत होने वाला है। हालांकि सियासी समीकरणों की उठापटक और कई तरह से अंदरूनी विरोधों के बीच भी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भरोसा था कि चुनाव जीत लेंगे। इसके पीछे का तर्क पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से किए गए काम पर जनता का भरोसा था। हालांकि पंजाब की सियासत में चर्चा इस बात की होने लगी थी कि पार्टी को सत्ता विरोधी लहर का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। लेकिन परिणाम ने उन सभी कयासों पर पानी फेर दिया।

कांग्रेस और भाजपा का वोट प्रतिशत घटा

इस चुनाव में कांग्रेस एवं भाजपा को नुकसान हुआ है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के भारत भूषण आशु को 28.06 प्रतिशत वोट मिले थे, जोकि इस बार 0.84 प्रतिशत कम होकर 27.22 प्रतिशत रह गए। इसी तरह भाजपा भी वर्ष 2022 की अपनी परफार्मेंस को नहीं दोहरा पाई। 2022 में भाजपा को 23.95 फीसदी वोट मिले थे, जोकि इस बार कम होकर 22.54 प्रतिशत रह गए। हालांकि कांग्रेस एवं भाजपा के वोट प्रतिशत में हल्की गिरावट ही दर्ज की गई है, बावजूद इनको अगले चुनावों के लिए खुद को तैयार करने के लिए नए सिरे से कसरत करनी होगी, तभी सत्ता की चाबी को हासिल कर सकते हैं।

संजीव अरोड़ा को मिला लाभ

लुधियाना पश्चिम विधानसभा हलके से उपचुनाव जीतने वाले आप विधायक संजीव अरोड़ा पंजाब सरकार में मंत्री बन गए हैं। उन्हें उद्योग, वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन व एनआरआई मामलों का मंत्री बनाया गया है। संजीव अरोड़ा के मंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही पंजाब मंत्रिमंडल में मालवा अब और मजबूत हो गया है। जबकि माझा से एक मंत्री कम हो गया है। अजनाला से विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल की मंत्री पद से छुट्टी के बाद ही अब माझा में सिर्फ तीन मंत्री रह गए हैं, जिनमें लालचंद कटारूचक्क, हरभजन सिंह ईटीओ और लालजीत सिंह भुल्लर शामिल हैं। पहले यहां से चार मंत्री होते थे। माझा पंजाब की बॉर्डर बेल्ट है, जिसके चलते इसे काफी महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन अब मंत्रिमंडल में मालवा से प्रतिनिधित्व और बढ़ गया है।

मालवा से सीएम, वित्तमंत्री समेत दस मंत्री

मालवा में पहले ही सबसे अधिक 9 मंत्री थे, लेकिन अब यहां से मंत्रियों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। सीएम भगवंत मान के साथ ही वित्त मंत्री हरपाल चीमा और सुशासन सुधार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अमन अरोड़ा भी इसी बेल्ट से हैं। मालवा की कृषि बेल्ट के रूप में पहचान है। यहां से लुधियाना औद्योगिक हब भी है। मंत्रिमंडल में शामिल किए गए अरोड़ा खुद एक उद्योगपति है। हाल ही में उद्योगपतियों के पक्ष में लिए सरकार के फैसलों व नई नीतियों का चुनाव में आप को काफी फायदा हुआ है। यही कारण है कि आगे विधानसभा चुनाव में भी इस वोट बैंक को अपने पक्ष में करना चाहता है। उप चुनाव से पहले ही आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और सीएम भगवंत मान ने उद्योपतियों के साथ बैठक की थी। साथ ही चुनाव से पहले पिछले एक साल से पंजाब व हरियाणा बॉर्डर पर चल रहे किसानों के मोर्चे को भी हटा दिया था, क्योंकि इस कारण आयात व निर्यात में परिवहन खर्च बढ़ने के कारण उद्योगपतियों का सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ रहा था। इस मंत्रिमंडल के विस्तार से दोआबा को कोई फर्क नहीं पड़ा है। दोआबा में पहले की तरह ही अभी भी तीन ही मंत्री हैं। दोआबा की भी औद्योगिक हब और एनआरआई बेल्ट के रूप में पहचान है।

पंजाब में अरोड़ा बिरादरी का बहुसंख्यक वोट

केजरीवाल का यह वादा पूरा होता है तो पंजाब में मंत्रीमंडल में दो अरोड़ा मंत्री हो जाएंगे। एक अमन अरोड़ा व दूसरे संजीव अरोड़ा। पंजाब में अरोड़ा बिरादरी का बहुसंख्यक वोट है। जिनका शहरों में खास प्रभाव है। संजीव अरोड़ा के जीतने से आम आदमी पार्टी को व्यापारी वर्ग से सीधे जुड़ने का और मजबूत पुल मिल जाएगा।

उपचुनाव की जीत से सत्ता विरोधी लहर भी कुंद

पंजाब में उपचुनाव की जीत से सत्ता विरोधी लहर भी कुंद हुई है। इस जीत के साथ अब पंजाब में आम आदमी पार्टी 2027 के लिए सियासी रणनीति भी बनाना शुरू करेगी। पार्टी के बड़े कद्दावर नेता पंजाब में सियासी रूप से पहले से ही राजनैतिक खाद-पानी देने में जुट गए।

अब राज्यसभा की भी एक सीट खाली

संजीव अरोड़ा की जीत के साथ अब राज्यसभा की भी एक सीट खाली हो जाएगी। पहले केजरीवाल के राज्यसभा जाने की चर्चा थी, जिस पर केजरीवाल के बयान ने विराम लगा दिया है। अब राज्यसभा के लिए पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया का नाम सबसे ऊपर चल रहा है, लेकिन फाइनल फैसला पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की तरफ से लिया जाएगा।

लुधियाना सीट 6 बार कांग्रेस, 2 बार अकाली दल के पास रही

लुधियाना पश्चिमी सीट पर 6 बार कांग्रेस, 2 बार अकाली दल, एक बार आप और एक बार जनता पार्टी (पूर्व) का विधायक बन चुका है। लिहाजा, आप ने दोबारा सीट जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा दी है कि सूबे में उनकी नीतियों पर आम जनता की पक्की मोहर है। दिल्ली का चुनाव हारने के बीच यह जीत पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए पंजाब में 2027 में खुद को दोबारा साबित करने का सुनहरा अवसर माना जा रहा है। इस सीट पर पार्टी का एक वरिष्ठ नेता अब राज्यसभा में एंट्री करेगा, जिससे आप हाईकमान को फिर से दिल्ली की राजनीति में सक्रिय होने में मदद मिलेगी। दिल्ली में हार के बाद पार्टी यह सबसे बड़ी कमी महसूस कर रही है। इसलिए, लुधियाना वेस्ट का यह उपचुनाव केवल स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी अहम माना जा रहा था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

लड़कियों पर और भरोसा बढ़ाना होगा!

सरकारों को चाहिए कि वह लड़कियों खासकर छोटी बच्चियों की सुरक्षा पर विशेष व्यवस्था करे। दरअसल, शिक्षा मंत्रालय की ओर से किया गया 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का विश्लेषण कई गंभीर मसलों की ओर ध्यान खींचता है, लेकिन इसका सबसे अहम पहलू है स्कूलों में लड़कियों की ओर से लिखी जा रही कामयाबी की सुनहरी कथाएं।

एक तरफ देश में लड़कियों पर हो रहे अत्याचार व उनके द्वारा किए जा रहे क्राइम से माहौल गरमाया है तो इस बीच एक रिपोर्ट से उनकी साख बढ़ने की खबर छाई हुई है। मंत्रालय के अनुसार, देश भर के स्कूलों में लड़कियां लड़कों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। इस 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में लड़कियों का पासिंग प्रतिशत लड़कों से ज्यादा है। साइंस और आर्ट्स स्ट्रीम दोनों में लड़कियां आगे हैं। यह ट्रेंड कॉलेज परीक्षाओं और प्रोफेशनल एग्जाम्स में भी देखा जा रहा है। इन सब रिपोर्टों को देखने के बाद बस अब एक यही चर्चा होनी चाहिए की लड़कियों की सुरक्षा रिपोर्ट भी ऐसी आनी चाहिए जिसमें वह नीडर होकर पूरे देश में घूम सकें। सरकारों को चाहिए कि वह लड़कियों खासकर छोटी बच्चियों की सुरक्षा पर विशेष व्यवस्था करे। दरअसल, शिक्षा मंत्रालय की ओर से किया गया 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का विश्लेषण कई गंभीर मसलों की ओर ध्यान खींचता है, लेकिन इसका सबसे अहम पहलू है स्कूलों में लड़कियों की ओर से लिखी जा रही कामयाबी की सुनहरी कथाएं।

यह लगातार दूसरा साल है जब शिक्षा मंत्रालय ने देश के 59 स्कूल बोर्डों के रिजल्ट्स का विश्लेषण करते हुए अपनी रिपोर्ट पेश की है। समाज में और परिवार के अंदर लड़कियों को जिस पूर्वाग्रह भरी दृष्टि का सामना करना पड़ता है उसका एक ज्वलंत उदाहरण रिपोर्ट में इस तथ्य के रूप में उभरता है कि देश भर में प्राइवेट स्कूलों में लड़कों और सरकारी स्कूलों में लड़कियों की संख्या ज्यादा है। साफ है कि मां-बाप चाहते हैं बेटे ज्यादा अच्छी और महंगी शिक्षा पाएं। बेटियों को जैसे-तैसे पढ़ा देना काफी माना जाता है। दिलचस्प है कि यह पूर्वाग्रह लड़कियों के जज्बे को कमजोर करने के बजाय उसे और मजबूती दे रहा है। रिजल्ट्स का विश्लेषण बताता है कि बोर्डों, स्कूलों और विषयों के भेदों से ऊपर उठते हुए लड़कियां, लड़कों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। 10वीं और 12वीं दोनों में, चाहे स्टेट बोर्ड हों या नैशनल और चाहे प्राइवेट स्कूल हों या सरकारी, लड़कियों का पासिंग पर्सेंटेज लड़कों से काफी ज्यादा है। निश्चित रूप से यह एक हेल्दी ट्रेंड है। लड़कियों के आगे बढ़ने का मतलब उनके आत्मविश्वास का बढ़ना है, उनका ज्यादा असर्टिव होना है। ऐसी लड़कियां परिवार के अंदर या वर्कप्लेस पर अपनी सही जगह न सिर्फ चाहती हैं बल्कि उसे हासिल करती हैं। उम्मीद है कि अच्छी पढ़ाई के बाद जब ये लड़कियां पेशेवर जिंदगी शुरू करें तो वहां उनके साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं होगा। पूरे देश के युवाओं को अब ऐसा आंदोलन चलाना चाहिए जिसमें महिलाओं की सुरक्षा व उनकी अस्मिता का मुद्दा हो।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अपराध तो अक्षम्य है फिर स्त्री-पुरुष कैसा

क्षमा शर्मा

राजा रघुवंशी हत्याकांड में हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। जिस तरह मेरठ में मुसकान ने अपने पति को मारकर नीले ड्रम में बंद कर दिया था और पुरुष मित्र के साथ घूमने चली गई थी, सोनम तो अपने पति राजा के साथ ही गई थी। हां, पहले से वहां वे तीन लड़के मौजूद थे, जो कथित हत्यारे बताए जा रहे हैं। जिस तरह मुसकान के परिवार वालों ने आकर कहा कि अगर उसने ऐसा किया है, तो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिले, सोनम का भाई भी इसी तरह के बयान दे रहा है। बहुत से लोग कह रहे हैं कि इस तरह के बयान पुलिस से बचने के लिए दिए जाते हैं। खैर, जो भी हो एक निरपराध लड़के ने जान गंवाई है। कल इन अपराधियों को सजा मिल भी जाए, तो राजा के माता-पिता जीवन भर इस दु:ख को लेकर जीएंगे। कई लोगों ने अखबारों और सोशल मीडिया में लिखा कि लड़कियां ऐसा इसलिए कर रही हैं कि माता-पिता उनकी सुनते नहीं हैं।

वे बिना उनकी मर्जी के शादी कर देते हैं। अगर वे उनकी सुन लें, तो ऐसा न हो। जबकि मुसकान ने तो अपनी मर्जी से ही शादी की थी। इन दिनों ऐसे किस्से आम हैं जब पति ने पत्नी या महिला मित्र अथवा पत्नी ने पति की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी कि उसे किसी और के साथ रहना था। ऐसी खबरें आ रही हैं कि सोनम -राजा रघुवंशी कांड के बाद, लोग शादी के बाद घूमने जाने से बच रहे हैं। टिकट कैंसल करा रहे हैं। यही नहीं विवाह से पूर्व प्राइवेट जासूसों की मदद से होने वाले साथी का बैक ग्राउंड चैक करा रहे हैं। यहां तक कि कथित विज्ञापन दिए जा रहे हैं। एक ऐसा ही विज्ञापन फेसबुक पर देखा। यह एक अखबार में छपवाया गया था। इसमें लिखा था- अमुक तारीख को अमुक लड़की से सगाई हो रही है। किसी को आपत्ति हो तो बताए। ऐसी बातों से कई बार उन ब्लैकमेलर्स की पौ बारह हो सकती है, जो किसी लड़की को या लड़के को परेशान करने के लिए तरह-तरह की जुगत भिड़ाते हैं। मान लीजिए बेवजह ही कोई आकर कह दे कि हां जी इस शादी से मुझे आपत्ति है, क्योंकि इस लड़के या इस लड़की से मेरे सम्बंध हैं।

ऐसे में अगर शादी हो भी जाए, तो शंका का एक बीज हमेशा के लिए बोया जा सकता है। आपसी रिश्तों में इतना अविश्वास, फिर शादी, विवाह, किसी रिश्ते में जाने की जरूरत ही क्या है। जब आपस में विश्वास न रहा तो बचा ही क्या। एक बात बार-बार कही जा रही है कि लड़कियां भला अपराधी कैसे हो सकती हैं। क्यों नहीं हो सकतीं।

लड़कियों की वह बेचारी और बुद्धू तथा कुछ न जानने वाली की छवि कब तक ढोती रहेंगी। लड़कियां या लड़के, अपराधी कोई भी हो सकता है। एकम् न्याय फाउंडेशन की दीपिका भारद्वाज कहती हैं कि अक्सर पति-पत्नी के रिश्तों में घरेलू हिंसा और क्रूरता को देखा जाता है, लेकिन अब वक्त आ गया है, जब यह भी देखा जाए कि ऐसे रिश्तों में हत्या जैसे जघन्य अपराध कितने हो रहे हैं। दीपिका ने एक अध्ययन में पाया कि 2023 में 306 पतियों को उनकी पत्नियों ने मार दिया। इन घटनाओं को आत्महत्या बताने की कोशिश की गई। वर्ष 2025 के इन छह महीनों में यह संख्या सौ से अधिक पहुंच गई है। दीपिका ने शादी के शहीद (मार्टरस आफ मैरिज) और भारत के बेटे (इंडियाज संस) नामक दो फिल्में भी बनाई हैं। सत्तर के दशक में हुआ विद्या जैन हत्याकांड भी याद आता है, जिसने देश को हिलाकर रख दिया था। इसमें विद्या के नामी डाक्टर पति ने अपनी पत्नी की हत्या, प्रेमिका के लिए कराई थी। उस समय एक मशहूर पत्रिका ने इस कांड को धारावाहिक रूप से छापा था। जिस स्त्री के कारण यह हत्या कराई गई थी, वह एक फौजी की पत्नी थी। जब पुलिस इस महिला और उक्त डाक्टर को पकड़कर थाने ले गई, तो वहां एक हीटर जल रहा था। महिला ने गिड़गिड़ाते हुए पुलिस वालों से कहा था कि यहां अग्नि तो है ही। सजा से पहले मेरे सात फेरे करा दीजिए। अब तक पुरुषों द्वारा ऐसे गम्भीर अपराधों की लम्बी सूची बनती रही है। लेकिन अब पत्नियां भी ऐसा कर रही हैं। बहुत से विद्वान और विदुषियां कह रही हैं कि ऐसा इसलिए हो रहा है कि महिलाओं को सदियों से दबाकर रखा गया है। अब वे ताकतवर हुई हैं, तो ऐसा कर रही हैं। आंकड़े गिनवाए जा रहे हैं कि महिलाएं तो बस छह प्रतिशत अपराध ही करती हैं।

इनकी बातें सुनकर वह कहावत याद आती है-जाके पांव न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई। आखिर सदियों का बदला राजा या उसी जैसे किसी निरपराध लड़के से क्यों लिया जाए। विमर्शों की समस्या ही यह है कि अपने चश्मे से बाहर उन्हें कुछ और नहीं दिखता। वे दुनिया से असहमत होने का अधिकार तो मांगते हैं, मगर असहमति का अधिकार किसी को नहीं देते। बदला लेने की भावना का इस तरह से समर्थन आखिर बदले को ही बढ़ाता है। वैसे भी ज्ञान देने वाले तो ज्ञान देकर निकल लेते हैं, मगर भुगतना उन्हें पड़ता है, जो इस तरह के अपराधों में जाने-अनजाने शामिल हो जाते हैं।

बड़े लक्ष्यों के लिए बहुत कुछ करना बाकी

हिमाचल की एनएएस रैंकिंग में सुधार के पीछे छह ठोस नीतिगत बदलाव रहे। राज्य ने एक हजार से अधिक कम नामांकन वाले स्कूलों का विलय कर शिक्षक नियुक्तियों को व्यावहारिक बनाया और प्रशासनिक खर्च घटाया।

के.एस. तोमर

हिमाचल प्रदेश ने देश की शिक्षा व्यवस्था में एक नया अध्याय लिखा है, जो न केवल राज्य की उपलब्धि है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रेरणा का स्रोत बन चुका है। हिमाचल ने वर्ष 2021 के नेशनल अचीवमेंट सर्वे में 21वें स्थान से छलांग लगाकर 2025 में 5वां स्थान प्राप्त किया है। यह बदलाव मात्र आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि उस नीति परिवर्तन का प्रमाण है, जिसे प्रदेश में व्यावहारिक रूप में लागू किया गया है। शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय को ठोस कार्रवाई से जोड़कर एक अनुकरणीय मॉडल बना दिया गया है। इस मॉडल का आधार शिक्षण गुणवत्ता में सुधार, प्रशासनिक दक्षता और प्रमाण-आधारित नीति निर्माण रहा है। राज्यों की शिक्षा व्यवस्था की रैंकिंग के पीछे कई कारण होते हैं। पंजाब और हरियाणा में बेहतर छात्र-शिक्षक अनुपात, मजबूत स्कूल प्रशासन और सामुदायिक भागीदारी ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं।

महाराष्ट्र और कर्नाटक ने प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण और विकेन्द्रित शैक्षणिक योजना का सफलतापूर्वक उपयोग किया है। दूसरी ओर, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य शिक्षकों की अनुपस्थिति, उच्च छात्र-शिक्षक अनुपात और कमजोर बुनियादी ढांचे की समस्याओं से जूझ रहे हैं। दिल्ली में प्रशासनिक टकराव और प्रवासन के कारण सरकारी स्कूलों में अत्यधिक नामांकन से शिक्षा की गुणवत्ता में विसंगति बनी रहती है। जम्मू-कश्मीर में मौसम और सुरक्षा संबंधी बाधाओं के कारण लॉजिस्टिक समस्याएं बनी रहती हैं। इस प्रकार, प्रशासनिक क्षमता और प्रणालीगत असमानताएं राज्यों की शिक्षा रैंकिंग को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हिमाचल की बात करें तो 2000 के दशक में इसकी शुरुआत एक मजबूत नींव के साथ हुई थी, लेकिन 2017 तक ठहराव आ गया और फिर कोविड-19 महामारी के बाद 2021 में भारी गिरावट दर्ज की गई। लेकिन वर्ष 2025 में शिक्षा के बुनियादी स्तर पर केंद्रित सुधार, प्रशासनिक पुनर्गठन और प्रमाण-आधारित फैसलों ने एक नई ऊर्जा भर दी।

सरकार ने 1,160 गैर-कार्यशील स्कूलों को बंद करने का साहसिक निर्णय लिया, जिनमें 911 प्राथमिक, 220 मिडल, 14 हाई और 15 सीनियर सेकेंडरी स्कूल शामिल थे। इनमें अधिकतर स्कूलों में छात्र संख्या नाममात्र थी या वे संचालन के मानकों का उल्लंघन कर रहे थे। सरकारें इस विषय पर स्थानीय विधायकों और वोट बैंक के दबाव में झुकती रहीं, लेकिन अब शासन ने स्पष्ट कर दिया कि राज्य के सीमित संसाधनों को केवल जनहित में प्रभावी उपयोग में लाया जाएगा। हिमाचल की एनएएस रैंकिंग में सुधार के पीछे छह ठोस नीतिगत बदलाव रहे। राज्य ने एक हजार से अधिक कम नामांकन वाले स्कूलों का विलय कर शिक्षक नियुक्तियों को व्यावहारिक बनाया और प्रशासनिक खर्च घटाया। शिक्षा निदेशालय को पूर्व-प्राथमिक से लेकर 12वीं कक्षा तक एकीकृत कर दिया गया जबकि उच्च शिक्षा को अलग कर दिया गया, जिससे जवाबदेही और निगरानी को स्पष्ट दिशा मिली।

राज्य ने अंग्रेजी को कक्षा-1 से माध्यम बनाकर भाषा सीखने की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। यूनिफॉर्म को लेकर छात्रों में भागीदारी और पहचान की भावना को बल दिया गया। साथ ही, योग्य छात्रों और शिक्षकों को अंतर्राष्ट्रीय अनुभव दिलाने के लिए विदेश भेजा गया। जिससे वैश्विक दृष्टिकोण और नवाचार कक्षा में प्रवेश पा सके। स्कूलों को शैक्षणिक क्लस्टर में बांटकर संसाधनों का साझा उपयोग, सहयोगात्मक शिक्षण और निगरानी की प्रणाली सशक्त हुई। एनएएस 2025 के आंकड़े इस प्रभावी बदलाव को सिद्ध करते हैं। कक्षा-3 के छात्रों ने एनआईपीयूएन भारत मिशन के तहत उल्लेखनीय प्रगति की है।

सरकारी स्कूलों ने कई निजी स्कूलों को पीछे छोड़ दिया और ग्रामीण एवं बालिका वर्ग ने राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन किया है। हालांकि, चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। केवल 26 प्रतिशत शिक्षकों ने निरंतर पेशेवर विकास कार्यक्रम में भाग लिया है। दिव्यांग छात्रों के लिए केवल 30 प्रतिशत स्कूलों में अनुकूल ढांचा उपलब्ध है और 35 प्रतिशत में ही प्रशिक्षित शिक्षक हैं। व्यावसायिक शिक्षा को लेकर छात्रों में रुचि की कमी भी देखी गई है- 45 प्रतिशत स्कूलों में उपलब्धता के बावजूद केवल 41 प्रतिशत छात्र ही कौशल पाठ्यक्रमों का चयन कर रहे हैं। बहरहाल, अभी भी राज्य को कुछ अहम रणनीतियों पर अमल करना होगा। निपुणता आधारित शिक्षा को संस्थागत बनाना, एनएएस डेटा को स्कूल सुधार योजनाओं से जोड़ना, शिक्षक प्रशिक्षण को डेटा-आधारित और सतत बनाना, सीपीडी को केवल औपचारिकता से निकालकर वास्तविक परिवर्तन का माध्यम बनाना, और व्यावसायिक शिक्षा को उद्योगों से जोड़कर प्रासंगिक बनाना आवश्यक होगा। पिछले 25 वर्षों में एनएएस ने शिक्षा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 2025 का संस्करण दक्षता, समानता और नीति संगत है। इस यात्रा में हिमाचल प्रदेश की भागीदारी लगातार मजबूत हुई है, जिससे वह राष्ट्रीय शिक्षा विमर्श का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है।

हड्डियों और एनर्जी के लिए फायदेमंद

चने में कैल्शियम, फास्फोरस और प्रोटीन होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम को कम करते हैं। किशमिश में आयरन और विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स होता है, जो लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है और थकान को दूर करता है। भीगी हुई किशमिश में नेचुरल ग्लूकोज और फ्रूक्टोज होता है, जो शरीर को तुरंत एनर्जी देने का काम करते हैं। इससे मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और शरीर की थकान और कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा किशमिश में मौजूद आयरन और मैग्नीशियम शरीर का स्टैमिना बढ़ाते हैं। यह संयोजन सुबह की शुरुआत के लिए एक एनर्जी बूस्टर के तौर पर काम करता है।

किशमिश और चना

भिगोकर खाने से प्रोटीन-आयरन की कमी होगी दूर

चना और किशमिश, दोनों सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। बहुत से लोग चना और किशमिश खाना पसंद करते हैं। देखा जाए तो चने को कई तरीके से लोग खाते हैं, जैसे- भुना हुआ चना, चने का बेसन आदि। इसी तरह किशमिश को भी लोग कई तरह से खाते हैं जैसे- सूखी किशमिश ही खा लेते हैं या खीर जैसे मीठे रेसिपी में डालते हैं। मगर बहुत कम लोगों को मालूम है कि चना और किशमिश साथ में भिगोकर खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बहुत से लोग आयरन और प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए महंगे सप्लीमेंट्स का सहारा लेते हैं। लेकिन चना और किशमिश दोनों ही पोषक तत्वों का खजाना हैं, और इन्हें रातभर पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट खाने से कई स्वास्थ्य समस्याओं में लाभ मिलता है।

हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा

किशमिश में आयरन रक्त प्रवाह में मदद करने का काम कर सकती है। किशमिश में ऐसे बहुत से पोषक तत्व पाए जाते हैं। किशमिश में पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं और हृदय रोगों के जोखिम को कम करते हैं। चने में मौजूद मैग्नीशियम और फोलेट कोलेस्ट्रॉल लेवल को संतुलित रखते हैं। इसलिए रोज सुबह खाली पेट इनका सेवन करने से आपका हार्ट हेल्थ अच्छा रहता है।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करे

चना और किशमिश दोनों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो ब्लड शुगर को अचानक बढ़ने से रोकता है। भीगे हुए चने का फाइबर और प्रोटीन कार्बोहाइड्रेट के अवशोषण को धीमा करते हैं, जबकि किशमिश में मौजूद नेचुरल शुगर शरीर को बिना शुगर लेवल को नुकसान पहुंचाए एनर्जी देता है। हालांकि, डायबिटीज रोगी डॉक्टर की सलाह लेने के बाद ही इसका सेवन करें।

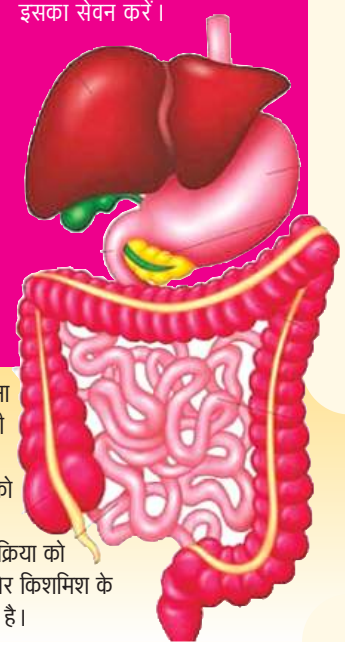

पाचन तंत्र को बनाए मजबूत

पाचन सही रहने से भूख खुलकर लगती है और खाना भी ठीक से पचता है। पाचन खराब रहने से व्यक्ति की सेहत नहीं बनती है और कई बार गैस, अपच और कब्ज की समया भी हो जाती हैं। बहुत से लोग पाचन को हेल्दी रखने के लिए कई तरह की दवाइयों के साथ चूर्ण का सेवन भी करते हैं, लेकिन फिर भी फायदा नहीं मिलता है। ऐसे में पाचन-तंत्र को मजबूत बनाने के लिए किशमिश और चना खा सकते हैं दोनों ही फाइबर से भरपूर होते हैं। चने में मौजूद फाइबर आंतों को साफ करता है और कब्ज की समस्या को दूर करता है। दूसरी ओर, किशमिश में नेचुरल लैक्सेटिव गुण होते हैं, जो पाचन क्रिया को सक्रिय रखने में मदद करते हैं। रातभर भिगोने से चने की कठोरता कम होती है, जिससे यह आसानी से पच जाता है, और किशमिश के पोषक तत्व पानी में घुलकर अधिक प्रभावी हो जाते हैं। इसलिए सुबह खाली पेट इनका सेवन पाचन को सुचारू रखता है।

हंसना मना है

एक औरत अपनी कुछ परेशानियों को लेकर एक बाबा के डेरे में पहुंची। बाबा ने सारी परेशानियों को बड़े गौर से सुना। फिर बोले बेटी... इसका हल निकल जाएगा, सब ठीक हो जाएगा, लेकिन इसके लिए कुछ खर्च आएगा। औरत ने पूछा- कितना खर्च आएगा? बाबा- तुमसे मैं ज्यादा तो नहीं ले सकता, लेकिन पुराणों के अनुसार हमारे कुल 33 करोड़ देवी देवता हैं, बस सबके नाम से एक-एक पैसा दान कर देना। औरत ने मन ही मन कैलकुलेट किया तो बाबा के हिसाब से कुल खर्च 33 लाख रुपये आता था, औरत भी चालाक थी। उसने कहा ठीक है बाबाजी, आप बारी-बारी से सबका नाम लीजिए, मैं एक-एक पैसा रखते जाऊंगी। बाबा डेरे में ही बेहोश हो गए।

पड़ोसन- बहन, नया हार तो बहुत अच्छा है, कितने का पड़ा? दूसरी महिला- ज्यादा नहीं, दो दिन की लड़ाई, एक दिन की भूख हड़ताल, 2 दिन का मौन व्रत और बस थोड़ा रोना धोना, पड़ोसन- अभी मैं भी अपने पति से रूठ जाती हूं।

पप्पू साइकिल से जा रहा था। अचानक एक लड़की से भिड़ गया। लड़की — घंटी नहीं मार सकता था, पप्पू — अबे मैंने पूरी साइकिल मार दी, अब क्या घंटी अलग से मारूं।

कहानी — गृहस्थ या साधु

एक व्यक्ति कबीरजी के पास गया और बोला-मेरी शिक्षा तो समाप्त हो गई। अब मेरे मन में दो बातें आती हैं, एक यह कि विवाह करके गृहस्थ जीवन यापन करूं या संन्यास धारण करुं? इन दोनों में से मेरे लिए क्या अच्छा रहेगा यह बताइए? कबीरजी ने कहा दोनों ही बातें अच्छी है जो भी करना हो, वह सोच-समझकर करो और वह उच्चकोटि का हो। उस व्यक्ति ने पूछा उच्चकोटि का कैसे है? कबीरजी ने कहा- किसी दिन प्रत्यक्ष देखकर बतायेंगे वह व्यक्ति रोज उत्तर प्रतीक्षा में कबीर के पास आने लगा। एक दिन कबीरजी सूत बुन रहे थे। प्रकाश काफी था कबीर साहेब ने अपनी धर्म पत्नी को दीपक लाने का आदेश दिया। वह तुरन्त बिना किसी सवाल के जलाकर लाई और उनके पास रख गई। दीपक जलता रहा वे सूत बुनते रहे। सायंकाल को उस व्यक्ति को लेकर कबीरजी एक पहाड़ी पर गए। जहां काफी ऊंचाई पर एक बहुत वृद्ध साधु कुटी बनाकर रहते थे। कबीरजी ने साधु को आवाज दी। महाराज आपसे कुछ जरूरी काम है कृपया नीचे आइए। बूढ़ा बीमार साधु मुश्किल से इतनी ऊंचाई से उतर कर नीचे आया। कबीर जी ने पूछा आपकी आयु कितनी है यह जानने के लिए नीचे बुलाया है। साधु ने कहा अस्सी बरस। यह कह कर वह फिर से ऊपर चढ़ा। कबीरजी ने फिर आवाज दी और नीचे बुलाया। उससे पूछा- आप यहां पर कितने दिन से निवास करते है? चालीस वर्ष से। फिर जब वह कुटी में पहुंचे तो तीसरी बार फिर बुलाया और पूछा- आपके सब दांत उखड़ गए या नहीं? आधे उखड़ गए। चढ़ने उतरने से साधु की सांस फूलने लगी, वह बहुत अधिक थक गया था फिर भी उसे क्रोध तनिक भी न था। अब कबीरजी अपने साथी समेत घर लौटे तो साथी ने अपने प्रश्न का उत्तर पूछा। तुम्हारे प्रश्न के उत्तर में यह दोनों घटनायें उपस्थित है। यदि गृहस्थ बनाना हो तो ऐसे जीवनसाथी का चयन करना चाहिये जो हम पर पूरा भरोसा रखें और हमारा कहना सहजता से मानें, कि उसे दिन में भी दीपक जलाने की मेरी आज्ञा अनुचित नहीं मालूम पड़ी, उसनें व्यर्थ कुतर्क नहीं किया और साधु बनना हो तो ऐसा बनना चाहिए कि कोई कितना ही परेशान करे क्रोध व शोक न हो, हम सहज रहें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ

व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। झंझटों में न पड़ें।

मिथुन

शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कर्क

कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

सिंह

आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

कन्या

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

तुला

आय में निश्चितता रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

धनु

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

कुम्भ

आज कार्यक्षेत्र में अधिक हंसी-मजाक करने से बचें, किसी को आपकी बात का बुरा लग सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा।

सुभाष घई की फिल्म में घूंघट और बिंदी में नजर आएंगे रितेश देशमुख

बॉलीवुड | मसाला

पॉपुलर फिल्मकार सुभाष घई की नई फिल्म में सुपरस्टार रितेश देशमुख नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उन्हें बिल्कुल नए अवतार में देखा जाएगा। बॉलीवुड के फेमस फिल्ममेकर सुभाष घई ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है। इस अनाउंसमेंट के बाद दर्शकों के बीच काफी एक्साइटमेंट देखने को मिला। फिल्ममेकर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर रितेश देशमुख को एक तस्वीर शेयर की। इस फोटो में एक्टर माथे में घूंघट, बिंदी लगाए और आंखों में काजल लगाए नजर आए। सुभाष घई ने कैप्शन में लिखा कि मुक्ता आर्ट्स के बैनर ली फिल्म में रितेश देशमुख बतौर हीरोइन नजर आएंगे। फिल्ममेकर के इस पोस्ट के बाद दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिला। वहीं कई नेटीजंस ने कहा कि एक्टर का ये लुक 2006 में आई फिल्म अपना सपना मनी मनी का है।

ये तस्वीर उसी फिल्म की है। इस फिल्म में रितेश ने ठग का किरदार निभाया था और लड़की का वेश धारण किया था। अपना सपना मनी मनी में रितेश देशमुख के अलावा सुनील शेट्टी, श्रेयस तलपडे समेत कई सेलेब्स ने मुख्य भूमिका निभाई थी अब फिल्ममेकर के इस पोस्ट ने जनता के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। हालांकि उन्होंने फिल्म का टाइटल और स्टोरी लाइन को लेकर कोई भी खुलासा नहीं किया है। बात करें रितेश देशमुख की तो उन्हें आखिरी बार फिल्मी पर्दे पर हाउसफुल 5 में देखा गया था। इसके पहले उन्होंने रेड 2 में अजय देवगन के साथ काम किया। सुभाष घई की आखिरी फिल्म 36 फॉर्महाउस थी जिसे उन्होंने 2022 में रिलीज किया। इसके बाद उनकी कोई भी फिल्म नहीं आई। लेकिन अब सोशल मीडिया पर उनके इस अनाउंसमेंट से फैंस के बीच ज़बरदस्त उत्साह है।

बॉलीवुड | मन की बात

नफरत ने मुझे पहले कभी नहीं रोका और न अब रोक पाएगी : उर्फी जावेद

करण जौहर का शो 'द ट्रेटर्स' जीतने के बाद, उर्फी जावेद ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया है कि कैसे उन्हें कुछ लोगों से धमकियां और अपमानजनक मैसेज मिल रहे हैं। उर्फी ने इंस्टाग्राम पर ट्रोलर्स के मैसेज के स्क्रीनशॉट्स पोस्ट करते हुए लिखा, 'जब आपको कोई लड़की पसंद नहीं आती, तो बस आप उसके लिए 'आर' शब्द छोड़ देते हैं। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा जब मुझे इस तरह से धमकियां या गाली मिल रही है, लेकिन इस बार यह मेरे कपड़ों की वजह से नहीं बल्कि मेरे शो जीतने की वजह से हो रहा है।'उन्होंने आगे लिखा- 'जब आपका मनपसंद खिलाड़ी नहीं जीतता, तो आप गाली देने लगते हो। ये मेरे अपलोड किए गए अच्छे वीडियो हैं, मैं चाहे कुछ भी कर लूं, लोगों को बस नफरत फैलाना और गाली देना पसंद है। अगर हर्ष को शो से न निकालती तो प्यार में अंधी, हर्ष को निकाल दिया तो धोखेबाज। पूरब को जीतने देती तो बेवकूफ, जीतने नहीं दिया तो धोखेबाज। नफरत ने मुझे पहले कभी नहीं रोका और न अब रोक पाएगी।' बता दें, उर्फी जावेद और निकिता लूथर ने करण जौहर द्वारा होस्ट किए गए शो 'द ट्रेटर्स' के पहले सीजन में विजेता का खिताब जीता। दोनों को प्राइज मनी के तौर पर 70.05 लाख रुपए मिले। फिनाले में उर्फी, निकिता, हर्ष और सुधांशु कालीफायर थे। सुधांशु के बाहर होने के बाद, निकिता और उर्फी ने हर्ष और पूरब के खिलाफ वोट देकर बाहर कर दिया। 'द ट्रेटर्स' में कई जाने-माने लोगों ने हिस्सा लिया था। इनमें अंशुला कपूर, अपूर्वा मखीजा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जान्हवी गौर, जैस्मिन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, पूरब झा, रफ्तार, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद थे। इस शो में कई कंटेस्टेंट 'इनोसेंट' थे, जिन्हें 'ट्रेटर्स' की पहचान करनी थी।

रामायण में माता सीता का किरदार निभाएंगी साई पल्लवी

साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी साउथ फिल्म इंडस्ट्री की एक मशहूर और टैलेंटेड अभिनेत्री हैं। नेचुरल ब्यूटी के नाम से मशहूर साई पल्लवी एक डॉक्टर भी हैं, लेकिन उन्होंने एक्टिंग में करियर बनाया। साई पल्लवी की पर्सनल लाइफ साई पल्लवी का जन्म 9 मई 1992 को तमिलनाडु के कोटागिरी में एक बडगा परिवार में हुआ था।

उनके पिता का नाम सेंथमारई कन्नन और मां का नाम राधा कन्नन है। उनकी छोटी बहन पूजा कन्नन भी एक अभिनेत्री हैं। साई ने अपनी स्कूली शिक्षा कोयंबटूर के एविला कॉन्वेंट स्कूल से पूरी की और 2016 में त्बिलिसी स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की। हालांकि, उन्होंने डॉक्टर के रूप में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया और अभिनय को अपने करियर के रूप में चुना। साई अपनी सादगी और निजी जिंदगी को निजी रखने के लिए जानी जाती हैं। कुछ समय पहले उनकी बहन पूजा की शादी में वे शामिल हुईं, जहां उन्होंने डांस किया और उनकी सादगी की खूब तारीफ हुई। इस दौरान वे इमोशनल भी हुईं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी डेटिंग की अफवाहें भी चर्चा में रही हैं, जिसमें कहा गया कि वे एक शादीशुदा एक्टर को डेट कर रही हैं, लेकिन साई ने इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया। वे सोशल मीडिया पर प्रकृति से जुड़ी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं और आध्यात्मिकता की ओर झुकाव रखती हैं। साई पल्लवी एक मशहूर साउथ इंडियन अभिनेत्री और डांसर हैं, जो तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने 2015 में मलयालम फिल्म प्रेमम से डेब्यू किया, जिसमें उनकी एक्टिंग को बहुत सराहना मिली। इसके बाद फिदा और काली जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें दो फिल्मफेयर अवॉर्ड्स दिलाए। उनकी हालिया फिल्म अमरन बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही, जिसने 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई की।

यहां बाराती खुद करते हैं अपने खाने-पीने का इंतजाम लड़की वालों को भी खिलाते हैं...दहेज दे बहू विदा कराते हैं

दहेज प्रथा ने ना जाने कितने घर उजाड़े हैं और दहेज ना भी हो तो आजकल शादी में लाखों-करोड़ों खर्च करना आम बात है। इस वजह से वधू पक्ष पर काफी बोझ भी बढ़ता है। ऐसे में आपको जानकर हैरानी होगी कि आज भी आदिवासी समाज में दहेज का नामों-निशान नहीं है उल्टा बाराती अपने साथ खाना लेकर आते हैं। जानते हैं इस अजब-गजब रस्म के बारे में।

झारखंड की राजधानी रांची के जाने माने साहित्यकार राबीलाल बताते हैं, हमारे आदिवासी समाज में दहेज का नामों-निशान नहीं है और न ही हमारे यहां भ्रूण हत्या होती है। हम बेटियों को देवी का दर्जा देते हैं बेटी होने पर बेटों से ज्यादा हर्षो-उल्लास और जश्न मनाया जाता है, ढोल-नगाड़े बजते हैं। हमारे समाज में बेटी होना बहुत पवित्र और गर्व का बात होती है इसीलिए दहेज जैसी भी कोई प्रथा नहीं है। बल्कि, अगर वधू पक्ष काफी कमजोर है और बारातियों को खाना खिलाने में सक्षम नहीं है तो ऐसे में खुद बाराती अपने साथ खाने का पूरा इंतजाम करके आते हैं. वे शादी के बाद खाना बनाते हैं और सारे लोग एक साथ मिल बैठकर खाते हैं. उन्होंने आगे बताया, वधू पक्ष ने अगर तीन रुपये का भोज देना स्वीकार किया तो इसका अर्थ है कि कन्या पक्ष बरातियों को कुछ खिला नहीं सकता. तब वर पक्ष ही भोजन की व्यवस्था करेगा. बाराती अपना भोजन खुद लेकर जाएंगे.अगर वधू पक्ष ने पांच रुपये का भोज स्वीकार किया, तो बरातियों को एक समय खिलाया जाएगा. जो वधू पक्ष अमीर हैं और बारातियों को भोजन कराना चाहते हैं, तब 16 रुपये का भोज स्वीकार करते हैं। इसके तहत वधू पक्ष ही पूरी व्यवस्था करता है।

वधू पक्ष पर भोज की बाध्यता नहीं है। वह इसलिए क्योंकि कई बार भोज के समय वधू पक्ष पर बहुत बोझ बढ़ जाता है और ऐसे में माता-पिता भी थोड़े उदास हो जाते हैं। लेकिन, हमारे समाज में यह परंपरा है कि जब बेटी को दें तो खुश होकर, बिना किसी बोझ व बिना किसी टेंशन के, आनंद से दें। यही कारण है कि उनको किसी भी तरीके की बाध्यता से दूर रखा जाता है।

अजब-गजब

इसे कहा जाता है आठवां अजूबा

इस झील के अंदर से निकलती हैं कई सड़कें

दुनिया में ऐसी कई अनोखी चीजें हैं जिनके बारे में लोगों को पूरी तरह जानकारी नहीं होती है। इस वजह से ये रहस्यमयी बन जाती हैं। ऐसी ही एक रहस्यमयी झील हमारी धरती पर है जिसके अंदर से सड़कें निकलती हैं। सड़के इस वजह से क्योंकि ये झील डामर से बनी है और इसके डामर सो दुनिया के कई हिस्सों में रोड बनाई गई हैं। इस वजह से लोग इस झील को आठवां अजूबा मानते हैं।

ट्रिनिदाद के दक्षिण-पश्चिमी तट पर स्थित ला ब्रीया पिच लेक को स्थानीय लोग प्यार से दुनिया का आठवां अजूबा कहते हैं। यह झील न केवल अद्भुत है, बल्कि आज भी विज्ञान के लिए एक रहस्य बनी हुई है। यह झील दुनिया की सबसे बड़ी प्राकृतिक डामर की खदान है और इसका क्षेत्रफल लगभग 109 एकड़ है। दुनिया में ऐसी केवल तीन ही जगहें ज्ञात हैं, और ला ब्रीया उनमें से सबसे विशाल है। इसमें लगभग एक करोड़ टन प्राकृतिक डामर भंडारित है। हाल ही में यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी से जुड़े एक अध्ययन में यह चौंकाने वाली खोज हुई कि झील की सतह के नीचे सूक्ष्मजीव जीवित हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये सूक्ष्मजीव यह जानने में मदद कर सकते हैं कि क्या किसी अन्य ग्रह पर जीवन संभव है। यहां से निकले वाले डामर का उपयोग दुनिया के कई प्रसिद्ध स्थानों पर किया गया है। बकिंघम पैलेस (इंग्लैंड) के सामने की सड़क, ला गार्डिया एयरपोर्ट (न्यूयॉर्क), और लिंकन टनल (जो न्यूयॉर्क को न्यू जर्सी से जोड़ता है) सभी में यहां का डामर उपयोग हुआ है। इसके अलावा कई देशों की सड़कों पर भी इसका उपयोग हुआ है।

दूर से देखने पर यह झील किसी विशाल, काले पार्किंग लॉट जैसी दिखती है, लेकिन पास से देखने पर यह काली मिट्टी जैसी उबड़-खाबड़ और लहरदार सतह प्रतीत होती है। बरसात के मौसम में झील की सतह पर छोटे-छोटे जलकुंड बन जाते हैं जिनमें लोग नहाते हैं। इन जलकुंडों में सल्फर की मात्रा अधिक होती है, और स्थानीय लोग मानते हैं कि ये फजीवनदायिनी फव्वारेफ हैं, जो त्वचा की समस्याओं से लेकर जोड़ों के दर्द तक में लाभकारी होते हैं। 1595 में ब्रिटिश खोजकर्ता सर वाल्टर रैले ने इस झील की 'खोज' की थी, जब वह 'एल डोराडो' की तलाश में थे। हालांकि, 1792 में स्पेनियों ने सबसे पहले यहां से डामर को शुद्ध करना शुरू किया और इसे नाम दिया यानी पिच की धरती, जो कालांतर में ला ब्रीया बना। स्थानीय अमेरिंडियन समुदाय इस झील को देवताओं का प्रकोप मानते थे। एक कहानी के अनुसार, एक बार एक जनजाति ने हमिंगबर्ड (जिसे पूर्वजों की आत्माएं माना जाता था) खा लीं। इसके कारण पूरी जनजाति इस झील में समा गई। यहां खुदाई में कई पुरातात्विक अवशेष मिले हैं, जैसे एक जानवर की आकृति में तराशी गई लकड़ी की बेंच (जिस पर कारीगर का नाम आज भी स्पष्ट है)। यहां का म्यूज़ियम इन अवशेषों को संजोए हुए है।

लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सरकार का दबाव

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गहलोत ने उठाए सवाल

» पूर्व सीएम बोले- पहली बार ऐसा अशोभनीय व्यवहार देखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नेताओं को केवल प्रताड़ित किया जा रहा

जयपुर। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव साफ नजर आने लगा है और चुनाव आयोग जैसी संस्था, जिस पर पूरे चुनाव की निष्पक्षता टिकी होती है, अब सवालों के घेरे में आ गई है। गहलोत ने कहा कि लंबे अरसे से कह रहा हूं कि देश किस दिशा में जा रहा है, उसका नमूना हमें चुनाव आयोग के हालिया व्यवहार से देखने को मिला। इतिहास में आजादी के बाद शायद पहली बार ऐसा हुआ है कि चुनाव आयोग के चेयरमैन और सदस्यों का रवैया विपक्षी नेताओं के प्रति इतना अशोभनीय रहा है।

उन्होंने कांग्रेस नेताओं के साथ हुई कथित अभद्रता को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पहले आयोग का व्यवहार बेहद संयमित और लोकतांत्रिक होता था, चाहे कोई भी शिकायत लेकर जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की ड्यूटी है कि हर मतदाता, हर राजनीतिक प्रतिनिधि की बात को धैर्यपूर्वक सुने और निष्पक्ष फैसला दे लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा। पूर्व मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी द्वारा महाराष्ट्र से जुड़े मुद्दों को उठाने की ओर भी ध्यान दिलाया और कहा कि उसका भी कोई जवाब नहीं मिला अंतत: उन्हें आर्टिकल लिखना पड़ा। यह चुनाव आयोग की जवाबदेही पर सवाल खड़े करता है। देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं जैसे ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग को भी सरकार के दबाव में काम करने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि पार्लियामेंट में सरकार की तरफ से दिए गए जवाब के अनुसार 193 केस विपक्ष के नेताओं पर किए गए, जिनमें केवल दो मामलों में दोष सिद्ध हो पाया है। यानी सिर्फ 1प्रतिशत मामलों में सफलता मिली, बाकी मामलों में नेताओं को केवल प्रताड़ित किया गया। उन्होंने चेताया कि जब न्यायपालिका, चुनाव आयोग, ब्यूरोक्रेसी सभी दबाव में आ जाएं तो लोकतंत्र कमजोर होता है। यह किसी के हित में नहीं है न देश के, न सत्ता पक्ष के। विपक्ष की अनदेखी करना एक बड़ी भूल है, जिससे देश को नुकसान होगा।

भाजपा ने कांग्रेस की जनकल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी : टीकाराम जूली

सम्मेलन में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस की जनकल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी। ऑपरेशन सिंदूर जैसे साहसी प्रयासों को सरकार ने नजरअंदाज किया और सरेंडर कर दिया।

जनता के बीच कम जाने से कांग्रेस को हुआ नुकसान : गोविंद डोटासरा

उदयपुर में कांग्रेस पार्टी का संभाग स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें प्रदेश प्रभारी सुखजिंद्र सिंह रंधावा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी की कमजोरी की एक बड़ी वजह जनता से जुड़ाव में कमी और सही प्रत्याशियों का चयन न होना रहा है। डोटासरा ने साफ कहा- हम जनता के मुद्दों को लेकर सड़क पर नहीं उतरे, इसका हमें नुकसान हुआ। अब जनता और नेता दोनों समझ गए हैं कि गलती कहां हुई। जो कार्यकर्ता मेहनत करेगा, उसे पूरा मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह सम्मेलन एक शुरुआत है, आगे जिला और मंडल स्तर पर भी सम्मेलन होंगे, जिससे पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा सके। मेवाड़-बागड़ क्षेत्र में कांग्रेस की स्थिति कमजोर होने पर डोटासरा ने कहा, राहुल गांधी ने भी मुझसे पूछा कि यह इलाका कभी कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था, फिर अब पार्टी यहां कमजोर क्यों हुई। इसी को लेकर हम जनता के बीच वापस लौट रहे हैं। दक्षिणी राजस्थान में %बाप पार्टी% के बढ़ते प्रभाव पर भी डोटासरा ने कहा कि जब हम काम नहीं करते, तो कोई भी आ जाएगा। लेकिन, अब हम सक्रिय हो गए हैं, तो वे भाग जाएंगे। हमारा असली मुकाबला भाजपा से है, न कि बाप पार्टी से।

बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज का औसत घातक

» एजबेस्टन में पांच या इससे ज्यादा विकेट लेने वाले बने चौथे भारतीय गेंदबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एजबेस्टन। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जा रहा है। भारतीय टीम के लिए मोहम्मद सिराज ने तेज गेंदबाजी आक्रामण की अगुआई करते हुए छह विकेट झटके। और इसके साथ ही सिराज एक खास सूची में भी शामिल हो गए। वह बर्मिंघम के एजबेस्टन में पांच या इससे ज्यादा विकेट लेने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बने। उनसे पहले कपिल देव, चेतन शर्मा और ईशांत शर्मा ने ऐसा किया है। सिराज मौजूदा तीन पेसरों में सबसे सीनियर हैं और उन्होंने सामने से इंग्लैंड पर प्रहार किया। बुमराह को इस मैच के लिए आराम दिया गया था और सिराज ने उनकी कमी महसूस नहीं होने दी। आश्चर्य की बात है कि बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज बल्लेबाजों के लिए और घातक साबित होते हैं। सिराज ने टेस्ट में चौथी बार पारी में पांच विकेट लिए। जुलाई 2024 के बाद टेस्ट में उन्होंने पहली बार पांच या इससे ज्यादा विकेट लिए। बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज का औसत बेहद घातक रहता है। उन्होंने बुमराह के साथ 23 टेस्ट की 44 पारियों में गेंदबाजी की है और उन मैचों में उनका गेंदबाजी औसत 33.82 का रहा है। बुमराह के बिना खेले 15 मैचों की 26 पारियों में उनका औसत 25.20 का रहा है। गेंदबाजी औसत का मतलब है प्रति विकेट कितने रन खर्च किए गए। वहीं, गेंदबाजी स्ट्राइक रेट का मतलब है प्रति विकेट कितनी गेंद फेंकी। सिराज ने मोहम्मद शमी के साथ नौ टेस्ट खेले हैं। उन मैचों में उनका औसत 34.96 का रहा है। उन्होंने बुमराह और शमी दोनों के साथ छह टेस्ट खेले हैं और उन मैचों में उनका औसत 33.05 का रहा है।

वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा नहीं करेगा भारत!

नई दिल्ली। भारत को इस साल सीमित ओवरों की सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करना है, लेकिन दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मतभेदों को चलते इस पर संकट के बादल छा गए हैं। बताया जा रहा है कि सरकार ने बीसीसीआई को इस दौरे पर नहीं जाने की सलाह दी है। अगर ऐसा हुआ तो भारतीय टीम का बांग्लादेश दौरा स्थगित हो सकता है। भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार संबंधी तनाव भी चल रहा है। बांग्लादेश दौरे को लेकर एक सूत्र ने कहा, बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिति स्थिर नहीं है और कूटनीतिक गतिरोध के मद्देनजर भारत सरकार ने बीसीसीआई को इस दौरे पर आगे न बढ़ने की सलाह दी है। हालांकि, दौरे को लेकर बीसीसीआई की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। भारत और बांग्लादेश के बीच वनडे और टी20 मैचों की सीरीज 17 अगस्त से शुरू होनी है। तय कार्यक्रम के अनुसार, भारत पहले तीन वनडे मैच खेलेगा और फिर दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। बांग्लादेश दौरे के बाद भारत को अक्तूबर में वेस्टइंडीज की मेजबानी करनी है।

अब सैनिटरी पैड को लेकर बिहार में रार

» राहुल गांधी की तस्वीर से गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वैशाली। वैशाली के हाजीपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कांग्रेस द्वारा सैनिटरी पैड वितरित करने वाली योजना को लेकर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह एकदम गलत है और हम इतने भी समझदार नहीं हैं कि सैनिटरी पैड पर अपनी तस्वीर लगाना उचित हो। यह बहुत शर्मनाक चुनावी स्टंट है। हम लोग पूरी तरह से वेस्टर्नाइज नहीं हुए है, हम भारतीय संस्कारों को मानने वाले लोग हैं। चिराग पासवान ने कहा कि इस पर बातचीत होनी चाहिए, लेकिन इसे राजनीतिक स्टंट नहीं बनना चाहिए।

सैनिटरी पैड के ऊपर अपनी तस्वीर देना समझ से परे है। आज तक हमने बड़ी-बड़ी विज्ञापन कंपनियों को देखा है, लेकिन इस तरह का कदम समझ से बाहर है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की तस्वीर लगाकर सैनिटरी पैड का वितरण करना शर्मनाक है। पैड की पैकिंग को देखिए, आप खुद असहज महसूस करेंगे। हम भी देखकर हैरान हैं कि कांग्रेस, जो देश की सबसे पुरानी पार्टी है, इस तरह की राजनीतिक स्टंट कर रही है। अपने प्रचार के लिए ऐसा करना कतई उचित नहीं है, इसकी मैं निंदा करता हूं। इसी कड़ी में चिराग पासवान से पूछा गया कि तेजस्वी यादव या प्रशांत किशोर में से कौन सा नेता बिहार के युवाओं का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि समय बताएगा और लोग तय करेंगे कि असली युवा बिहारी नेता कौन है। यह पूछे जाने पर कि क्या प्रशांत किशोर आगामी चुनावों में एक्स-फैक्टर हैं, चिराग पासवान ने चुटकी लेते हुए कहा, ठीक है, निश्चित रूप से एक फैक्टर हैं - मुझे एक्स, वाई या जेड फैक्टर नहीं पता!

हर भाषा भारत की खूबसूरती है : चिराग

वहीं, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने ठाणे में एक दुकान मालिक के साथ कथित तौर पर मराठी में बात करने से इनकार करने पर मारपीट किए जाने के वायरल वीडियो पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह मेरी समझ से परे है कि भारतीयों के बीच कितने विभाजन पैदा किए जाएंगे, कभी क्षेत्र के नाम पर, कभी भाषा, धर्म या जाति के नाम पर। मैं इस बात का समर्थन करता हूं कि आपकी मातृभाषा आपका गौरव होनी चाहिए, लेकिन इतनी संवेदनशीलता रखने की जरूरत है कि यदि कोई बाहर से आया व्यक्ति इसे नहीं समझ रहा है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि हम असहिष्णु हो जाएं और इस तरह से मारपीट करने लगें। मेरा मानना है कि हर भाषा भारत की खूबसूरती है।

विवेकानंद की हिंदू धर्म की परिभाषा विश्वसनीय: ममता

» सीएम बोलीं- स्वामीजी ने दिया सार्वभौमिक भाईचारे और शांति का संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वह विवेकानंद की हिंदू धर्म की उस परिमें विश्वास करती हैं, जो मानवता को हर चीज से ऊपर रखती है।

विवेकानंद को एक 'संत-देशभक्त' बताते हुए बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि स्वामीजी ने जो सार्वभौमिक भाईचारे और शांति का संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। स्वामीजी जिस हिंदू धर्म में विश्वास करते थे, मैं भी उसी में विश्वास करती हूं और वह धर्म कहता है कि मानवता सबसे महान है। स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर मैं चाहती हूं कि बंगाल और देश के लोग, चाहे वे किसी भी धर्म, जाति या वर्ग के हों, एक-दूसरे का सम्मान और प्रेम करें।'

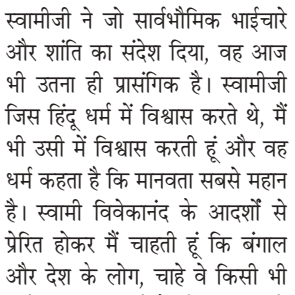

बिहार में सनसनीखेज हत्या के बाद गरमाई सियासत

गोपाल खेमका मर्डर केस को लेकर विपक्ष का नीतीश सरकार पर हमला, तेजस्वी ने पूछा- इसे जंगलराज नहीं कह सकते?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के बड़े उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने लोगों से पूछ भी लिया कि इसे जंगलराज क्यों नहीं कहा जा सकता है।

तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पूछा कि थाना से चंद कदम दूर पटना में बिहार के बड़े व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हर महीने बिहार में सैकड़ों व्यापारियों की हत्या हो रही है लेकिन जंगलराज नहीं कह सकते? क्योंकि इसे ही शास्त्रों में मीडिया प्रबंधन, परसेप्शन मैनेजमेंट और छवि प्रबंधन कहते है।

बिहार में नरसंहार हो रहा है

इतना ही नहीं तेजस्वी यादव ने सीवान में तीन लोगों की हत्या पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि बिहार में नरसंहार हो रहा है। सीवान में छह लोगों को गोली मारी गई। इसमें तीन लोगों की मौक़ा ए वारदात पर मौत हो गई। तेजस्वी ने तंज कसते हुए कहा कि अचेत मुख्यमंत्री की अगुवाई में विधि व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

इस क्रूर एनडीए राज में कोई सुरक्षित नहीं है : पप्पू यादव

वहीं पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने गोपाल खेमका के बेटे के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि कहा कि इस बच्चे को क्या दिलासा दूं? सात साल पहले गोपाल खेमका जी के पुत्र गुंजन खेमका की हत्या हुई थी, उन्हें न्याय का भरोसा दिलाने गया था। अगर उस वक्त सरकार अपराधियों की साझीदार न बनकर, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करती तो आज गोपाल खेमका जी की हत्या न होती। उन्होंने कहा कि जैसे ही मुझे इस वारदात की सूचना मिली मैं वहां पहुंचा। पर इस क्रूर एनडीए राज में कोई सुरक्षित नहीं है, अपराधियों का अभ्यारण्य बन गया बिहार! नीतीश जी बख्शो दीजिए बिहार को। बिहार की जनता दहशत में जीना नहीं चाहती है।

18 साल बाद एक साथ आए उद्धव व राज

मुंबई की रैली में गरजे उद्धव- हम साथ आए हैं, साथ ही रहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़े बदलाव के तहत दो चचेरे भाइयों उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने शनिवार को मुंबई में एक विशाल रैली के दौरान दो दशक बाद राजनीतिक एकता के संकेत दिए। अपने चचेरे भाई राज से 18 साल बाद फिर से मिलने के बारे में उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम साथ रहने के लिए साथ आए हैं... हम मराठी की रक्षा के लिए एकजुट हुए हैं।

कहा- हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम एक साथ हैं, ये महत्वपूर्ण है। उद्धव ने कहा कि जब से हमने इस कार्यक्रम के बारे में घोषणा की थी, तब से सभी को आज हमारे भाषण का बेसब्री से इंतज़ार था, लेकिन मेरे हिसाब से हम दोनों का एक साथ आना, और यह मंच हमारे भाषणों से ज़्यादा महत्वपूर्ण था। राज ठाकरे ने पहले ही बहुत बढ़िया भाषण दिया है, और मुझे लगता है कि अब मुझे बोलने की ज़रूरत नहीं है। उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर गरजते हुए कहा कि हिंदू और हिंदुस्थान स्वीकार्य हैं, लेकिन हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आपकी सात पीढ़ियां बर्बाद हो जाएं, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। राज ठाकरे ने कहा कि मुझे हिंदी से कोई शिकायत नहीं है, कोई भी भाषा बुरी नहीं होती। भाषा को बनाने में बहुत मेहनत लगती है। मराठा साम्राज्य के दौरान हम मराठी लोगों ने कई राज्यों पर राज किया, लेकिन हमने उन हिस्सों पर मराठी कभी नहीं थोपी। उन्होंने हम पर हिंदी थोपने का प्रयोग शुरू किया और यह परखने की कोशिश की कि अगर हम इसका विरोध नहीं करेंगे तो वे मुंबई को महाराष्ट्र से अलग कर देंगे।

भाजपा का हिंदुत्व पर एकाधिकार नहीं

उद्धव ठाकरे ने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि हिंदुत्व एकाधिकार नहीं है। हम सबसे गहरी जड़ों वाले हिंदू हैं। आपको हमें हिंदू धर्म सिखाने की जरूरत नहीं है। 1992 में मुंबई में हुए दंगों में मराठी लोगों ने ही हिंदुओं को बचाया था। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने हाथ मिलाते हुए संयुक्त विजय सभा आवाज मराठीचा का आयोजन किया, जिसमें राज्य के स्कूलों में कक्षा 1 से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने संबंधी सरकार द्वारा पहले जारी किए गए दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाया गया।

राज ठाकरे का मुख्यमंत्री फडणवीस पर तीखा हमला

इससे पहले राज ने सभा को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला किया और कहा कि बाद में उन्होंने वह हासिल किया जो बालासाहेब नहीं कर सके, उन्होंने उद्धव के साथ अपने पुनर्मिलन की ओर इशारा किया। राज ठाकरे ने कहा कि आज, बीस साल बाद, उद्धव और मैं एक मंच पर एक साथ आ रहे हैं, कुछ ऐसा जो बालासाहेब हासिल नहीं कर सके, लेकिन देवेंद्र फडणवीस ने संभव बनाया है।

एनआईए ने दिल्ली और हिमाचल में की छापेमारी

डंकी रूट से विदेश भेजने के आरोप में दो गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में दो अलग-अलग ठिकानों पर की छापेमारी की। इस दौरान डंकी रूट के जरिये विदेश भेजने और मानव तस्करी के गंभीर आरोपों में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सन्नी उर्फ सन्नी डोंकर और शुभम संधाल उर्फ दीप के रूप मे हुई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बताता कि दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में कई जगहों पर छापमारी की गई। इस दौरान दो लोगों को पकड़ा है, जो 'यूएस डंकी रूट' मानव तस्करी से जुड़े एक बड़े रैकेट में शामिल हैं। आरोपियों की पहचान धर्मशाला, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) निवासी सन्नी उर्फ सन्नी डोंकर और रोपड़ (पंजाब) निवासी शुभम संधाल उर्फ दीप हुंडी के रूप में हुई है, जो वर्तमान में पीरागढ़ी (दिल्ली) में रह रहे हैं। ये दोनों मार्च में गिरफ्तार किए गए गगनदीप सिंह उर्फ गोल्डी के सहयोगी थे। जांच में सामने आया है कि सन्नी ने मास्को निवासी एक युवती से विवाह किया। उनकी एक छह वर्षीय बेटी है। करीब सात साल से सन्नी कई बार अपनी पत्नी के साथ विदेश आता-जाता रहा है।

अमरनाथ यात्रा पर हादसा पांच बस आपस में टकराईं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। शनिवार को रामबन जिले में पांच बसों के आपस में टकरा जाने से करीब 36 अमरनाथ तीर्थयात्री घायल हो गए। ये बसें जम्मू भगवती नगर से दक्षिण कश्मीर के पहलगाम आधार शिविर की ओर जा रहे काफिले का हिस्सा थीं।

अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंद्रकूट के पास सुबह करीब आठ बजे हुई। उन्होंने बताया कि टक्कर काफिले की एक बस के ब्रेक फेल हो जाने के कारण हुई। पहलगाम काफिले का अंतिम वाहन नियंत्रण खो बैठा और चंद्रकोट लंगर स्थल पर फंसे वाहनों से टकरा गया, जिससे चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और 36 यात्री मामूली रूप से घायल हो गए।

आंध्र प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए: जगन मोहन

» राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त होने का आरोप लगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त होने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को झूठे मामलों, ''अवैध'' गिरफ्तारियों और ''राजनीतिक उत्पीड़न के संगठित अभियान'' के माध्यम से निशाना बनाया जा रहा है। रेड्डी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सवाल किया, जब राजनीतिक नेताओं और नागरिकों की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है, कानून-व्यवस्था बिगड़ रही है और संविधान का उल्लंघन हो रहा है, तो राष्ट्रपति शासन क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए?उन्होंने कहा कि गुंटूर जिले के मन्नवा गांव के दलित ग्राम पंचायत अध्यक्ष नागमल्लेश्वर राव पर हाल ही में दिनदहाड़े हुआ हमला राज्य में ''अराजकता'' को दर्शाता है और उस घटना के वीडियो से स्थिति की गंभीरता पता चलती है।

नगर निगम की लापरवाही बन रही खतरा!

» फूल मंडी चौक पर करंट से दो लोग आए चपेट में, पुलिस ने बचाई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम की लापरवाहियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। कभी खुले तारों से बेजुबान जानवर करंट का शिकार हो जाते हैं तो कभी इंसान, और जिम्मेदार विभाग अपनी जवाबदेही से पल्ला झाड़ते नजर आते हैं।

8 मुहर्रम के जुलूस के दौरान नगर निगम जोन-6 के अंतर्गत फूल मंडी चौक पर बड़ा हादसा होते-होते टल गया। स्ट्रीट लाइट के खंभे में अचानक करंट दौड़ गया, जिससे दो लोग करंट की चपेट में आ गए। मौके पर मौजूद पुलिस ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए घायलों को पास के ट्रामा सेंटर अस्पताल में भर्ती कराया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे अधिकारी

मौके की जांच के लिए पहुंचे अधिशासी अभियंता चौक क्षेत्र रमन ने बताया कि यह हाई मास्ट लाइट नगर निगम के अंतर्गत आती है। जैसे ही हादसे की सूचना मिली, मौके पर अधिशाषी अभियंता उनकी टीम तुरंत पहुंची और सभी खंभों की जांच की गई। जिन जगहों पर तार खुले पाए गए, उन्हें तत्काल ठीक कराया गया।

पहले भी घट चुकीं हैं घटनाएं

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब नगर निगम की लापरवाही इस तरह जानलेवा साबित हुई हो। आए दिन खुले तार, झूलती लाइटें और क्षतिग्रस्त पोल हादसों को न्योता देते हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक इस लापरवाही का खामियाजा आम जनता और बेजुबान जानवरों को भुगतना पड़ेगा? नगर निगम को चाहिए कि वह इस घटना को चेतावनी के रूप में ले और पूरे शहर में बिजली व्यवस्था, खासकर स्ट्रीट लाइट पोल्स की समुचित जांच कराए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकी जा सकें।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।